1

525

drishti | दृष्टि The Vision

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-10

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF / OPT-24 **H-2410**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Ravi Raaz **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:**

Center & Date: 525/ Mu/C.N.C. **UPSC Roll No. (*If allotted*):** 8007323

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
*प्रश्न संख्या **1** और **5 अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।*
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1	4	3	4	4	3.5	18.5	5	2	3	2	2	3	12
2	11	7	5			23	6	7	8	5			20
3							7						
4	11	5	7			23	8						
						सकल योग (Grand Total)		96.5					

FL-272

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

) आपने सभी प्रश्नों का उत्तर लिखने का प्रयास किया है।

सुधार -

) अवधारणात्मक समझ को प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

) परिचय दक्षता व निष्कर्ष दक्षता में सुधार अपेक्षित है।

) प्रश्न पत्र-II में समालोचनात्मक मांग की अपेक्षा रहती है ~~अतः~~।

) विषय वस्तु को गहन बनायें

good Luck

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड - क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. निम्नलिखित कथनों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में)
Critically examine the following in 150 words each: **10 × 5 = 50**

(a) साइमन कमीशन ने भारत में उभरते राजनीतिक परिदृश्य को संबोधित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व किया।

The Simon Commission represents a significant step towards addressing the evolving political landscape in India.

1919 के भारत शासन अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप 1927 में सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में साइमन आयोग का गठन किया गया जिसका मुख्य कार्य भारत में संवैधानिक सुधारों की समीक्षा करना और अपना प्रतिवेदन सौंपना था।

यद्यपि 1928 में भारत में साइमन कमीशन के आगमन के बाद से ही भारतीय राष्ट्रवादियों द्वारा इसका विरोध किया जाने लगा।

संक्षिप्त लिखें

* विरोध के कारण :-

drishti | दृष्टि The Vision

कारण

- (i) सभी सात सदस्य 'अंग्रेज़'।
- (ii) शकलतवाला और S.P सिन्हा जैसे भारतीय के ब्रिटिश संसद के सदस्य होने के बावजूद।
- (iii) साइमन कमीशन भारतीयों को आत्मनिर्णय के अधिकार से वंचित करने के समान
- (iv) राष्ट्रवादियों के अनुसार स्वशासन हेतु उन्हें परीक्षा देने की जरूरत नहीं है।

प्रभाव

- (i) शांत हो चुके राजनीतिक वातावरण में उत्साह का पुनः विस्फोट।
- (ii) राष्ट्रीय चेतना का उभार।
- (iii) ब्रिटिश को गोलमेज सम्मेलन के आयोजन हेतु विवश करना।
- (iv) भारत में राजनीतिक एकता को प्रोत्साहन।

इस तरह से साइमन कमीशन ने भारत के राजनीतिक परिदृश्य को नई दिशा प्रदान कर भारत में होने वाले भावी राष्ट्रीय आंदोलनों की रूपरेखा तैयार की।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विषयपरक हेडिंग के अनुरूप लिखें

विषयवस्तु दूसरा पक्ष?

राजनीतिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम

→ प्रतिनिधित्व का अभाव

अवधारणा (समझ) प्रभावी व सटीक

good

4/10

drishti | दृष्टि The Vision

(b) असहयोग आंदोलन में अहिंसा की भूमिका।

Role of non-violence in the non-cooperation movement.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1919

असहयोग आंदोलन 1921 से फरवरी 1922 गांधीजी के नेतृत्व में चलाया गया पहला प्रमुख आंदोलन था।

प्रभावी बनायें

असहयोग आंदोलन व अहिंसा -

① गांधी जी ने 'हिन्द स्वराज' में लिखा था कि अंग्रेजों ने भारत को भारतीयों के सहयोग से गुलाम बनाया है ऐसे में यदि भारतीय अंग्रेजों का सहयोग करना बंद कर दें तो एक वर्ष के भीतर अंग्रेज भारत से चले जायेंगे।

विषय के अनुरूप शामिल करें

② असहयोग आंदोलन में हिंसा के स्थान पे अहिंसक गतिविधियां यथा (बहिष्कार, स्वदेशी, जन आंदोलन, उपाधियों को लौटाना आदि पर विशेष बल दिया।

प्रभावी बिंदु है

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ गांधी जी का अहिंसा के प्रति आग्रह का इतना उच्च था कि "चौरी-चौरा" (फरवरी 1922) में हुई हिंसा के कुछ दिनों के बाद गांधी जी ने आंदोलन को वापस ले लिया।

④ वास्तव में अहिंसा की रणनीति जनआंदोलन की नीति के अनुरूप थी।

⑤ अहिंसा के माध्यम से उन्होंने जनता को स्वराज्य व स्वशासन का उपयुक्त प्रशिक्षण दिया।

असहयोग आंदोलन ने अहिंसा की इसी महान भूमिका के कारण रवीन्द्रनाथ टैगोर ने गांधी जी को महात्मा की उपाधि दी।

(c) भारत सरकार अधिनियम 1919 भारत में संवैधानिक सुधारों की दिशा में एक प्रासंगिक कदम था।

The government of India act 1919 made significant step towards constitutional reforms in India.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत शासन 1919, ब्रिटिश क्राउन के 'अंतिम कीमती आभूषण' भारत की रक्षा का एक हताश उपाय था।

महत्वपूर्ण प्रावधान

- (i) केंद्र में द्विसदनीय व्यवस्थापिका की स्थापना।

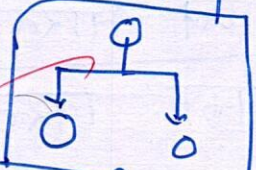

- (ii) प्रांतों के स्तर पर उत्तरदायी शासन के स्थान पर द्वैध शासन की व्यवस्था।
- (iii) प्रांतीय विषयों को आरक्षित तथा हस्तांतरित विषयों की सूची में विभाजन।
- (iv) आरक्षित विषय (वित्त, सिंचाई, ~~[illegible]~~, जेल आदि) पर गवर्नर के द्वारा सीधा प्रशासन किया जाता जबकि हस्तांतरित-

Good

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विषयों (कृषि, स्थानीय स्वशासन आदि) पर विधानमंडल के प्रति उत्तरदायी मंत्रियों के सहयोग से गवर्नर द्वारा प्रशासन किया जाना।

किंतु प्रभावी है

(v) औपचारिक रूप से सांप्रदायिक निर्वाचन की आलोचना के बावजूद व्यवहार में सिक्खों, आंग्ल-भारतीयों तथा यूरोपीय तक इसका विस्तार।

समालोचनात्मक परीक्षण की मांग है

(vi) मताधिकार का विस्तार। यद्यपि शहरी बुद्धि-जीवियों के स्थान पर ग्रामीण कुलीनों पर विशेष बल।

सीमायें बतायें

उपरोक्त प्रयास भारत में स्वशासन के विस्तार के स्थान पर ब्रिटिश साम्राज्यवादी महत्वकांक्षाओं से प्रेरित थी जिसकी अभिव्यक्ति 1919 के अधिनियम में निहित आंतरिक संघर्ष व बाह्य प्रतिक्रिया में निहित थी।

good

अवधारणात्मक समझ को प्रभावी बनायें

4

drishti | दृष्टि The Vision

(d) भारत में आंग्ल शिक्षा के प्रसार के लिये अधोमुखी निस्पंदन सिद्धांत की शुरुआत की गई थी।

Downward Filtration Theory was introduced to spread English Knowledge in India.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1813 के चार्टर अधिनियम के द्वारा अवांछित शिक्षा पर 1 लाख रुपये के परिव्यय के परिणाम स्वरूप मैकाले मिनट्स 1835 के तहत 'अधोमुखी निस्पंदन सिद्धांत' की शुरुआत की गई।

परिभाषा से शुरु करें

अधोमुखी निस्पंदन के मुख्य आयाम:-

(i) पाश्चात्य शिक्षा केवल कुछ उच्च भारतीयों को दी जाती थी।

(ii) इन शिक्षित भारतीयों का यह दायित्व था कि वह इसका प्रसार आम भारतीयों के बीच करें।

बिंदु प्रभावी है

आंग्ल शिक्षा के प्रसार में इसकी भूमिका:-

(क) भारत में आंग्ल शिक्षा की नींव रखी जा सकी।

drishti | दृष्टि The Vision

② भारतीयों के बीच राष्ट्रवाद, प्रजातंत्र स्वतंत्रता, समानता बंधुत्व जैसे पाश्चात् विचार लोकप्रिय हुए।

③ मैकाले शिक्षा पद्धति की नींव डली जो आज भी अपनी जड़े जमाई हुए है।

सीमाएँ → अल्प वित्तीय साधन

- लोक शिक्षा ध्वस्त हो गई
- पारंपरिक शिक्षा प्रणाली का विघटन हुआ।
- भारत मे साक्षरता मे गिरावट। (आजादी के समय महज (18%)) 92% अशिक्षित

अधोमुखी निस्यंदन की इन्ही सीमाओं के कारण बाद में 'वुड्स डिस्पैच', 1854 को लाया गया

अंग्रेजों की दृष्टि से बताये

प्रभाव पाश्चात्य विचार

(सांस्कृतिक प्रभाव)

आवश्यक सुधार

शामिल

Good

विषय की समझ प्रभावी उत्तर

5

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(e) 19वीं सदी के सामाजिक-धार्मिक आंदोलन ने भारतीय पुनर्जागरण का प्रतिनिधित्व किया।

Socio religious movement of 19th century represented Indian renaissance.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय इतिहास में 19वी सदी सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों के लिए जाना जाता है जिसने अपनी उपलब्धियों व अपने प्रभाव से पूर्ण भारत में पुनर्जागरण को जन्म दिया।

प्रभावी बनायें

* सुधार आंदोलनों को प्रेरित करने वाले कारक :-

1. ब्रिटिश विधि निर्माण।
2. प्राच्य वादियो की भूमिका।
3. पश्चात शिक्षा का योगदान।
4. ईसाई मिशनरियों की भूमिका।
5. नवीन सामाजिक समूहो का उद्भव।

विषय के अनुरूप लिखें

सामाजिक, धार्मिक आंदोलन तथा पुनर्जागरण के बीच संबंध —

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(i) दोनों के द्वारा तर्कवाद और विज्ञानवाद पर बल दिया जाना।

(ii) दोनों के द्वारा ही मानववाद तथा व्यक्तिवाद को प्राथमिकता दी गई।

(iii) दोनों ने ही धर्मनिरपेक्षता तथा धार्मिक सार्वभौमिकतावाद को स्वीकृत किया।

(iv) दोनों ने ही समाज व धर्म में निहित कुरीतियों पर चोट किया।

(v) दोनों ने ही विशेष वैचारिक वातावरण तैयार किया।

चूँकि, समाज तथा धर्म सुधार आंदोलन इन परिवर्तनों के मुख्य प्रेरक थे जो कि पुनर्जागरण का मुख्य घटक माना जाता है। इन्हीं कारणों से यह कहा जाता है कि सामाजिक धार्मिक आंदोलनों ने पुनर्जागरण का प्रतिनिधित्व किया।

good

समालोचनात्मक परीक्षण का अभाव

↳ नवजागरण आंदोलन का प्रतिनिधित्व नहीं किया

संक्षिप्त लिखें

अवधारणात्मक समझ का अभाव

3.5

drishti | दृष्टि The Vision

2. (a) 1857 के विद्रोह के कारणों की विवेचना कीजिये। राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक-धार्मिक कारकों ने विद्रोह के प्रादुर्भाव में किस प्रकार योगदान दिया? 20

Discuss the causes of the revolt of 1857. How did political, economic, and socio-religious factors contribute to the rebellion's outbreak? 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1857 का विद्रोह औपनिवेशिक शासन के दौरान आम भारतीयों द्वारा किया गया पहला व्यापक जन आंदोलन था।

good

1857 के महाविद्रोह के कारण :-

① औपनिवेशिक शासन के प्रत्यक्ष विस्तार की नीति के कारण भारतीय राज्यों का अंत होता गया। और प्रत्येक राज्यों के अंत का अर्थ था शासक, अधिकारियों और सैनिकों का बेरोजगार होकर असंतुष्ट वर्ग में शामिल होना।

उदा० व साथ लिखें

② औपनिवेशिक शासन की गलत कृषि नीति के कारण कृषकों का उत्पीड़न होने से कृषक वर्ग के बीच उत्पन्न असंतोष।

उदा: डलहौजी नीति → स्थाई बंदोबस्त इत्यादि

drishti | दृष्टि The Vision

③ विऔद्योगिकीकरण के कारण हस्तशिल्पियों व कारीगरों का बेरोजगार होकर आकर्षित होना।

④ ब्रिटिश साम्राज्यवादी महत्वकांक्षाओं को पूरा करने में बंगाल सेना का मुख्य योगदान किंतु नस्लीय भेदभाव के कारण भारतीय सैनिकों में व्यापक असंतोष।

⑤ ब्रिटिश द्वारा किए जा रहे सामाजिक व धार्मिक सुधारों से रूढ़िवादी भारतीयों में असंतोष का व्याप्त होना।

⑥ ब्रिटिश के द्वारा सेना में पढ़े लिखे भारतीयों की नियुक्ति पर विशेष बल दिए जाने से सेना में सवर्ण हिंदुओं की अधिकता। इससे सेना में जातिगत तथा धार्मिक चेतना को प्रोत्साहन मिला।

⑦ चमड़े वाले कारतूस की घटना ने बारूद की ढेर पर खड़े ब्रिटिश शासन के लिए चिंगारी का कार्य किया।

Good

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विद्रोह प्रादुर्भाव में राजनीतिक, सामाजिक-धार्मिक और आर्थिक कारकों का योगदान :-

① राजनीतिक कारक :-

→ (i) ब्रिटिश शासन के द्वारा साम्राज्य विस्तार की नीति अपनाई गई (झाँसी, सतारा, अवध आदि)

→ (ii) अवध में हुई 'अवसाद क्रांति'।

→ (iii) ज़मींदारों, तालुकदारों आदि का बेरोजगार होना।

② आर्थिक कारक

→ (i) कृषकों का उत्पीड़न (विपिन चंद्र के अनुसार सैनिक भी वर्दीधारी किसान ही थे)।

→ (ii) वि-औद्योगिकीकरण के कारण लोगों का बेरोजगार होना।

→ (iii) क्रय शक्ति में कमी के कारण जनता में असंतोष।

good

इन विषयों को कारणों के साथ ही प्रभावी लिखें → जिससे सम्पूर्ण उत्तर की पुष्टि होती है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सामाजिक कारण

(i) सामाजिक तथा धार्मिक सुधारों से रूढ़िवादी भारतीयों में प्रतिक्रिया।

(ii) ईसाई मिशनरियों के द्वारा भारतीय समाज व धर्म की आलोचना।

(iii) भारतीय भारत में धर्मांतरण को प्रोत्साहन से लोगों में असंतोष।

(iv) भारतीय सैनिकों को अपने धार्मिक सिद्धांतों की उपेक्षा कर समुद्र परिवहन के लिए विविश किया जाना।

(v) चर्बी वाले कारतूस की घटना।

उपरोक्त कारणों ने 1857 के क्रांति को प्रादुर्भाव में संयुक्त रूप से योगदान दिया।

good

प्रभावी व्याख्या

अच्छा व्याख्यात्मक उत्तर है।

12

drishti | दृष्टि The Vision

(b) 1930 के दशक के प्रारंभ में समग्र भारत में सविनय अवज्ञा आंदोलन के भौगोलिक प्रसार का वर्णन कीजिये। 15
Describe the geographical spread of the Civil Disobedience Movement across India during the early 1930s 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सविनय अविज्ञा आंदोलन (1930-34)
महात्मा गाँधी के नेतृत्व में शुरू किया गया
दूसरा व्यापक जन आंदोलन था

सविनय अवज्ञा आंदोलन के मुख्य घटक :-

- (1) ब्रिटिश कानूनो की उपेक्षा।
- (2) बहिष्कार।
- (3) स्वदेशी।
- (4) विदेशी वस्तुओं की होली जलाना।
- (5) ब्रिटिश सरकार को कर न देना।

सविनय अवज्ञा आंदोलन से प्रभावित भारत के प्रमुख क्षेत्र :-

(1) गुजरात के दांडी में और फिर आनियंत्र भी स्वयं गांधी जी के द्वारा सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किया गया।

लोकल की भूमिका प्रभावों बताये तथा कारकों की चर्चा करे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

② बम्बई के धारसना तट पर सरोजनी नायडू के नेतृत्व में व्यापक स्तर पर सविनय अवज्ञा आंदोलन का आयोजन।

③ मद्रास क्षेत्र में C. राजगोपालाचारी ने आंदोलन का नेतृत्व किया।

केरल → केलप्पन

Add नागालैंड के रानी गाइदिन्ल्यू

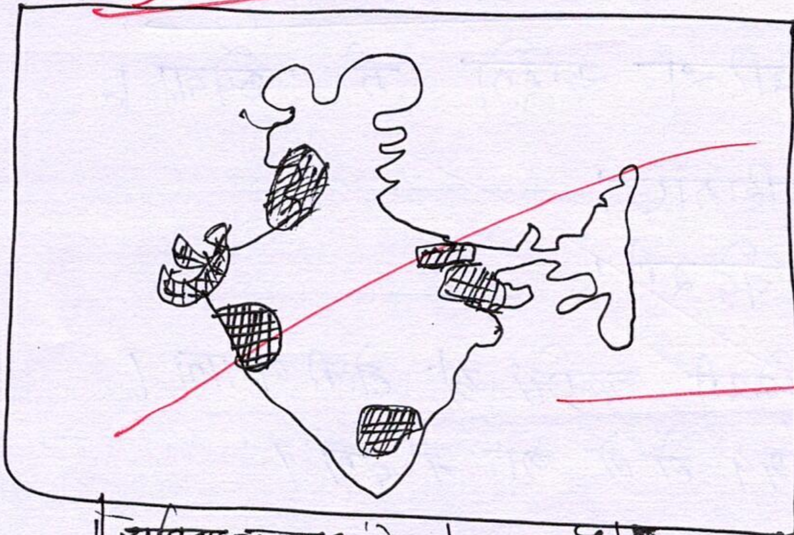

सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रमुख केन्द्र

? क्षेत्रों का नाम लिखें

④ बिहार में मुजफ्फरपुर से लेकर चम्पारण और पटना से लेकर गया तक सविनय अवज्ञा आंदोलन का आयोजन किया गया तथा समुद्री तट न होने के कारण नमकीन मिट्टी को

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वाष्पीकृत कर नमक बनाया गया।

(5) उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत में खान अब्दुल गफ्फार खान ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किया।

आंदोलन के विस्तार और तीव्रता को इस बात से समझा जा सकता है कि पेशावर के निकट अधिकारियों के आदेश की अवहेलना कर पुलिस ने शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे आंदोलनकारियों पर गोली चलाने से मना कर दिया। ~~यद्यपि~~

यद्यपि सविनय अवज्ञा आंदोलन अपने अखिल भारतीय विस्तार के बाद भी अपने मौलिक उद्देश्य की प्राप्ति में विफल रहा तथापि इसने अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय चेतना का प्रसार किया।

बिंदु प्रभावी है

Add पूर्ण स्वराज औपनिवेशिक विरोधी अभियान

कोई किराया नहीं कोई राजस्व नहीं

असम के निर्धन सर्कुलर के विरोध में

अवधारणात्मक समझ दिखी

7

(c) भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के संदर्भ में 1920 के दशक के दौरान स्वराजवादी पार्टी की उपलब्धियों की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the achievements of the Swarajist Party during the 1920s in the context of India's struggle for independence. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

असहयोग आंदोलन के वापस लिये जाने तथा महात्मा गांधी के कारावास के दौरान कांग्रेस मे असहयोग के विस्तार के मुद्दे पर उपजा मतभेद 1923 मे स्वराज पार्टी की स्थापना का कारण बना।

स्वराज दल के विचार :-

(i) वे असहयोग का विस्तार विधानमण्डलों मे भी करना चाहते थे।

(ii) उनके अनुसार वे चुनाव मे सफलता हासिल कर विधानमण्डलों मे सरकार की नीतियों की आलोचना करेंगे तथा सरकार के काले-कानूनों को पारित होने से रोकेंगे।

उचित प्रयास

drishti | दृष्टि The Vision

(ii) चुनाव में भाग लेने से भारतीयों को राजनीतिक प्रशिक्षण मिल सकेगा।

उपरोक्त आदर्शों के अनुरूप ही 1 जनवरी 1923 को चितरंजनदास तथा मोतीलाल नेहरू के नेतृत्व में एक स्वराज दल की स्थापना हुई। जिसमें 1924 के चुनाव में जहाँ केन्द्रीय विधायिका में लगभग 1/3 सीटें हासिल की वही मध्यप्रांत में पूर्ण बहुमत बंगाल में सबसे बड़ी पार्टी और संयुक्त प्रांत में इसी सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया

स्वराज दल की उपलब्धियाँ :-

(i) असहयोग आंदोलन के बाद लगभग शांत हो चुके राजनीतिक परिदृश्य के बीच राष्ट्रीय उत्साह को प्रोत्साहित किया।

(ii) भारतीयों में राष्ट्रीय चेतना का प्रसार किया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संक्षिप्त लिखें + अनावश्यक विस्तार न करें

निष्क्रिय राजद्रवाद से सक्रिय राजद्रवाद

प्रथम गांधी से नेहरू तक

Add

प्रभावशाली जनाधार

राष्ट्रीय मुद्दों के लिए मंच

संविधान की कमियां उजागर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iii) S.C. बोस और J.L. Nehru जैसे युवा नेताओं को संवैधानिक- राजनीतिक प्रशिक्षण का अवसर मिल सका।

(iv) हिंदू मुस्लिम एकता को प्रोत्साहित किया।

(v) 1925 में केन्द्रीय विधानसभा में विठ्ठल भाई पटेल को अध्यक्ष बनाने में सफलता हासिल की।

विषय को प्रभावी बनाये

(vi) कई अवसरों पर विधानमण्डलों में सरकार के भारत विरोधी प्रयासों को अवरुद्ध किया।

हालांकि भारत शासन अधिनियम 1919 के तहत निर्वाचित प्रतिनिधियों को इतनी अधिक शक्ति नहीं दी गई थी कि निर्वाचित प्रतिनिधि सरकार को अवरुद्ध कर सके फिर हिंदू मुस्लिम एकता पर आधारित स्वराज पार्टी C.R दास की मृत्यु (1925) के बाद बिखराव का शिकार हो गया इसके बावजूद अल्पकाल में ही इसने भारतीयों में राजनीतिक चेतना को जागृत करने में योगदान दिया।

संक्षिप्त लिखें

अवधारणा को समझ कर प्रभावी बनायें

5

3. (a) आंग्ल उपयोगितावाद के विचार भारत में भी प्रकट हुए, लेकिन इनका स्वरूप एवं विषय-वस्तु पूरी तरह से औपनिवेशिक थी। टिप्पणी कीजिये। 20

The English Utilitarianism ideas manifested in Indian as well, but its form and content were entirely colonial. Comment. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(b) उन कारकों का विश्लेषण कीजिये जिनके कारण 18वीं शताब्दी में भारत में फ्राँस की पराजय हुई तथा इस क्षेत्र में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रभुत्व में योगदान मिला? 15

Analyse the factors that led to the defeat of France in India during the 18th century and contributed to the British East India Company's ascendancy in the region? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) "वर्ष 1919 के सुधार इस दृष्टि से महत्त्वपूर्ण थे कि उन्होंने प्रतिनिधि राजनीति को परिवर्तित कर दिया।" वर्ष 1919 के सुधारों के आलोक में इस कथन का विश्लेषण कीजिये। 15

"The 1919 reforms were significant for the way in which they transformed representative politics." Analyze this statement in light of the 1919 Reforms. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

4. (a) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान नरमपंथियों और गरमपंथियों के उद्देश्यों एवं तरीकों की तुलना करते हुए इनके मध्य अंतर का वर्णन कीजिये। 20

Compare and contrast the objectives and methods of the moderates and extremists during the Indian National Movement. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नरमपंथ तथा गरमपंथ राष्ट्रवादी भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दो महत्वपूर्ण विचारधारा तथा चरण का प्रतिनिधित्व करते हैं और इसी के अनुरूप दोनों के उपज, उद्देश्य एवं कार्य प्रणाली में पर्याप्त भिन्नता देखने को मिलती है।

प्रभावी व तार्किक

दोनों के पृष्ठभूमि में अंतर

नरमपंथी →

- पाश्चात्य शिक्षा की उपज।
- यूरोपीय विचारों को तथा उदारवादी चिंतन से प्रभावित।
- संवैधानिकता में दृढ़ विश्वास।
- कुलीन पृष्ठभूमि से संबंद्ध।

good

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गरमपंथी

→ भारतीय संस्कृति व परंपरा में दृढ़ विश्वास।

→ भारतीय शिक्षण पद्धति की उपज।

→ जन आंदोलन की राजनीति में विश्वास।

→ आम भारतीयों की पृष्ठभूमि से संबद्ध।

good

दोनों के उद्देश्य में अंतर :-

नरमपंथी	गरमपंथी
① संवैधानिक सुधारों के प्रति प्रतिबद्ध	① स्वशासन की मांग हेतु प्रतिबद्ध
② ब्रिटिश शासन का समर्थन किंतु अन्य ब्रिटिश रूल का विरोध।	② सम्पूर्ण औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध प्रतिक्रिया।
③ भारत में ब्रिटिश के अधीन Rule of Law की स्थापना।	③ भारत में राष्ट्रीय सरकार की स्थापना

बिंदु प्रभावी है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दोनों के तरीकों में अंतर (कार्यप्रणाली)

नरमपंथी	गरमपंथी
① संवैधानिक प्रक्रिया का सहारा लेना।	① ~~जन~~ आंदोलन की राजनीति का सहारा लेना।
② प्रार्थना प्रतिवेदन और प्रस्ताव की राजनीति	② जुझारू राष्ट्रवाद पर बल।
③ क्रमिक परिवर्तन के लिए प्रयत्नशील	③ तीव्र परिवर्तन का दृष्टिकोण
④ आंदोलन (स्वदेशी) को एक खास क्षेत्र तक सीमित रखकर कार्य करना।	④ आंदोलन का विस्तार विभिन्न आयाम तथा क्षेत्र तक करके कार्य करना
⑤ जनता की शक्ति में अविश्वास के कारण जनता से दूरी बनाए रखना।	⑤ जनता की शक्ति में पूर्ण विश्वास होने के कारण जन आंदोलन की स्वीकृति।

बिंदु प्रभावी हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संक्षिप्त करें

उपरोक्त अंतरों का मुख्य कारण तात्कालिक परिस्थितियों में निहित था इन्हीं कारणों से उद्देश्य व तरीके में अंतर के बावजूद दोनों के प्रयासों ने संवैधानिक सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया। जहाँ 1892 का भारत परिषद अधिनियम नरमपंथियों के प्रयासों का परिणाम था वहीं 1909 का भारत परिषद अधिनियम गरमपंथियों के प्रयासों का।

11

(b) उन कारकों की चर्चा कीजिये जिनके कारण ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में सहायक संधि प्रणाली आरंभ की। इस नीति ने भारतीय उपमहाद्वीप में ब्रिटिश प्रभाव के विस्तार में किस प्रकार योगदान दिया? 15

Discuss the causes that led the British East India Company to introduce the Subsidiary Alliance system in India. How did this policy contribute to the expansion of British influence in the Indian subcontinent? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सहायक संधि प्रणाली की औपचारिक शुरुआत लार्ड वेलेजली के द्वारा 1798 में डूप्ले की पूर्व नीति की प्रेरणा की गई।

* सहायक संधि प्रणाली के मुख्य तत्व :-

① हस्ताक्षर कर्ता रियासतों की सेना का विघटन कर दिया जाता।

② बदले में ब्रिटिश रेजीमेंट की ~~नियुक्ति~~ तैनाती की जाती।

③ इसके लिए भारतीय शासक ब्रिटिश को एकमुश्त रकम देते।

④ दरबार में ब्रिटिश रेजीडेंट की नियुक्ति की जाती।

महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल करें तथा संक्षिप्त लिखें

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⑤ ब्रिटिश के द्वारा राज्य के विदेश नीति पर नियंत्रण स्थापित किया जाता।

⑥ उपरोक्त शर्तों के पूरा होने पर राज्य को पूर्ण स्वायत्तता दी जाती।

④ सहायक संधि प्रणाली के आरंभ के कारण:-

(i) वाणिज्यिक पुंजीवाद के हितों से प्रेरित होकर न्यूनतम संसाधनों के व्यय से अधिकतम लाभ की आकांक्षा से प्रेरित।

(ii) इसी के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नीति (1757) से 1813 के बीच अपनाई गई।

(iii) राजनीतिक – 'घेरे की नीति'
प्रशासनिक – 'यथा स्थितिवाद की नीति'
आर्थिक – 'धन की निकासी'
सामाजिक – 'अहस्तक्षेप की नीति'

संक्षिप्त

विस्तार दें व प्रभावी लिखें

Add लार्ड वेलेजली की आक्रामक नीति

) ब्रिटेन से खतरा

) मार्केट व कच्चा माल इत्यादि

मूल कारण नहीं है, यह एक प्रकार का कार्यकलाप अंग्रेजी शासन का

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सांस्कृतिक - 'प्राच्यवाद'।

उपमहाद्वीप में 'ब्रिटिश प्रभाव में इनकी भूमिका :

- (i) देशी रियासतों की सैन्य शक्ति के समाप्त होने से ब्रिटिश विरुद्ध विद्रोह की संभावना न्यूनतम हुई।
- (ii) देशी रियासतों के विदेश नीति पर ब्रिटिश नियंत्रण ने भारत में ब्रिटिश सत्ता को अतुलनीय बना दिया।
- (iii) ब्रिटिश राज्यों की कीमत पर ब्रिटिश को बड़ी मात्रा में संसाधनों की प्राप्ति हुई।
- (iv) अब अधिकांश युद्ध या तो 'मित्र' या 'शत्रु' देशी रियासतों के भू-भाग पर फलतः ब्रिटिश की भूमि अब सुरक्षित हो गई।

इन्हीं बहुआयामी भूमिकाओं ने वेलेजली की सहायक संधि प्रणाली को डलहौजी के व्यपगत के सिद्धांत की पूर्व पीठिका तैयार की।

बिंदु प्रभावी हैं।

Good

अवधारणा को समग्र व प्रभावी बनाएं

5

drishti | दृष्टि The Vision

(c) टीपू सुल्तान द्वारा अपने राज्य में शुरू किये गए प्रशासनिक सुधारों का वर्णन कीजिये। इन सुधारों ने उसके शासनकाल के दौरान मैसूर के सामाजिक-आर्थिक विकास में किस प्रकार योगदान दिया? 15

Describe the administrative reforms initiated by Tipu Sultan in his kingdom. How did these reforms contribute to the socio-economic development of Mysore during his reign? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

टीपू सुल्तान 1782-1799 ब्रिटिश उपनिवेशवाद के आर्थिक चरित्र को समझने वाला 18वीं सदी एकमात्र भारतीय शासक था। और इसी के अनुरूप उसने अपने राज्य में प्रशासनिक सुधारों को कार्यान्वित किया।

प्रभावी प्रस्तावना

टीपू के प्रशासनिक सुधार :-

(i) पुलीगारों तथा जमींदारों को दबाकर राज्य के राजस्व संग्रहण में वृद्धि की (बर्टन स्टीन ने इसे सैनिक राजकोषवाद का नाम दिया)।

(ii) राज्य के कृषि अर्थव्यवस्था में सुधार का समुचित प्रशासन हेतु ध्यान की व्यवस्था की।

(iii) उसने यूरोपीय मॉडल पर अपनी सेना का गठन किया तथा एक कोष तक मार करने में सक्षम

Add
) केंद्रीय प्रशासन में सुधार
) प्रांतीय प्रशासन में सुधार
) स्थानीय राजस्व में सुधार

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पश्चवाज्ञ प्रौद्योगिकी का विकास किया।

(iv) ब्रिटिश प्रशासन को चुनौती देने के लिए मॉरिशस, तुर्की, फ्रांस, पेगु आदि में अपने दूत भेजें।

(v) उसने राजस्व के पद में वृद्धि की तथा करांधान प्रणाली का सरलीकरण किया।

(vi) उसने यूरोपीय तर्ज पर एक कंपनी स्थापित करने की कोशिश की यद्यपि वह विफल रहा।

मैसूर में सामाजिक-आर्थिक विकास में टीपू के सुधारों का योगदान :—

(i) राज्य के आर्थिक शक्ति में वृद्धि से राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई।

(ii) राज में कृषि सुधार तथा औद्योगिक विकास प्रोत्साहित हुआ।

(iii) राज्य में मौजूद शारदा मंदिर और श्रृंगेरी मठ को वित्तीय अनुदान दिया।

प्रभावी है।

उदा-?

विस्तार की अपेक्षा है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संक्षिप्त

यद्यपि उसके उपरोक्त प्रयासों ने हिंदु ज़मींदारों को असंतुष्ट किया जिसका लाभ ब्रिटिश के द्वारा टीपू को साम्प्रदायिक घोषित करने में उठाया गया किंतु कुल मिलाकर टीपू सुल्तान 18 वीं सदी के भारत में ब्रिटिश चरित्र को समझकर उसका समुचित प्रतिरोध करने वाला एकमात्र प्रमुख शासक प्रतीत होता है।

अवधारणात्मक समग्र प्रभावी है।

7.0

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खण्ड - ख / SECTION - B

5. निम्नलिखित कथनों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में)
Critically examine the following in 150 words each: 10 × 5 = 50

(a) "अमेरिकी गृह युद्ध दो अलग-अलग राष्ट्रों के बीच संघर्ष था"

"American Civil war was a conflict between two separate nations"

अमेरिकी गृह युद्ध 1861-65

अमेरिकी इतिहास में विभाजक रेखा के रूप में सामने आए तथा कुछ इतिहासकारों के अनुसार यह दो अलग-अलग राष्ट्रों के बीच संघर्ष का परिणाम था।

good

कारण

→ सतही रूप से देखे तो यह दास व्यवस्था के मुद्दे पर था जहाँ उत्तरी राज्य इसे अनैतिक वहीं दक्षिणी राज्य इसे बाइबल द्वारा समर्थित मानते।

यद्यपि गौर से देखेंगे इसमें अन्य कारण निहित थे -

विषय से भटकाव है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(क) आर्थिक कारण :- दास व्यवस्था औद्योगिकीकरण के लिए बाधक जबकि बागवानी के लिए उपयुक्त।

(ख) मिसौरी समझौते 1820 का उल्लंघन।

(ग) मिसेज स्टोवे की 'अंकल टोम्स' पुस्तक ने दास व्यवस्था के विरुद्ध बौद्धिक वातावरण तैयार किया।

(घ) 1860 के चुनाव अब्राहम लिंकन की विजय ने दक्षिणी राज्यों में संदेह उत्पन्न कर दिया।

इसी कारण डेविड जेफरसन की अध्यक्षता में दक्षिणी राज्यों USA अलग से संघ का निर्माण कर लिया।

विषय के स्तर पर गहन अध्ययन की आवश्यकता है

दोपक्ष

दो राष्ट्रों के बीच संघर्ष नहीं

दो राष्ट्रों के बीच संघर्ष
1) आर्थिक विषमता
2) दास प्रथा
3) सैद्धांतिक विवाद

1) सम्प्रभुता की लड़ाई

2.0

(b) जापान कभी पश्चिमी साम्राज्यवाद का शिकार था जो बाद में एक उद्योगपति देश बन गया।

Japan was once a victim of Western Imperialism that later became an industrialist country.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जापान में मेजी पुर्नस्थापना 1868 के बाद पश्चिमी साम्राज्यवाद के चंगुल से मुक्त होकर औद्योगिक राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ।

good

कुछ तथ्य

(i) जापान में औद्योगिक विकास स्वतंत्र रूप से न होकर पश्चिमी साम्राज्यवाद के विरुद्ध प्रतिक्रिया के रूप में हुआ।

(ii) जापान औद्योगिक विकास के लिए अग्र कदम
उठाए

(क) श्रम आधारित वस्त्र उद्योगों की स्थापना के द्वारा पश्चिम के आर्थिक आक्रोश से बचने का ध्यान

(ख) चूंकि, जापानी बैंक पूंजी का भूमि में निवेश करने के लिए अधिक समर्थित फलत: जापान में राज्य नियंत्रित

बिंदु प्रभावी है

drishti | दृष्टि The Vision

औद्योगिक विकास पर बल दिया और उन्हें बैंकों के हाथ बेच दिया।

③ जापान द्वारा देशी उद्योगों को सब्सिडी दिया जाना।

जापान के ऐसे औद्योगिक राष्ट्र के रूप में स्थापना ने जापान की आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ जापान में फासीवाद को भी जन्म दिया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Add
) रेलवे
) बैंक ऑफ जापान
) पूंजी उधार लेकर निजी क्षेत्र को देना
→ विषय में उद्धृत महत्वपूर्ण बिंदु शामिल करें
अवधारणात्मक समझ प्रभावी बनायें

3

drishti | दृष्टि The Vision

(c) नाटो का गठन ट्रांस-अटलांटिक देशों को एक सुरक्षा कवच प्रदान करने हेतु किया गया था।

NATO was created to provide a safety blanket to transatlantic nations.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

USSR की बढ़ती शक्ति की प्रतिक्रिया स्वरूप 12 सदस्य देशों ने साथ 1949 में NATO का गठन किया गया था।

Good

NATO का मूल उद्देश्य

(i) शीत युद्ध के दौरान अन्य देशों का वैचारिक समर्थन प्राप्त करना।

(ii) U.S.S.R के प्रभाव के प्रसार को रोकना।

(iii) सामूहिक सुरक्षा की नीति अपनाना। (NATO चार्टर का अनुच्छेद - 6)

Good

(iv) NATO का प्रभाव

- शीत युद्ध में पूंजीवादी शक्तियों की बढ़त
- USSR के महत्व का सीमित होना।
- वर्तमान की वैश्विक शांति को बनाने में योगदान।

प्रश्न से भटकाव है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस तरह से NATO ने द्वारा अटलांटिक क्षेत्र में शांति व्यवस्था को प्रोत्साहित किया।

विषयवस्तु के पक्ष

केवल रूप में

USSR से सुरक्षा

केवल रूप में नहीं

अमेरिकी वर्चस्व का बढ़ावा

अमेरिकी प्रभुत्व का विस्तार

यूरोप की शक्ति में कमी

अवधारणात्मक समझ को प्रभावी बनायें

2

drishti | दृष्टि The Vision

(d) "नव साम्राज्यवाद राष्ट्रवादी था, न कि आर्थिक घटना।"

"New imperialism was a nationalistic, not an economic phenomenon."

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नव साम्राज्यवाद पश्चिमी शक्तियों के द्वारा अपनी सीमा और प्रभाव को बढ़ाने की प्रयास था।

इसके मूल में मुख्यत: राष्ट्रवादी कारक जिम्मेदार थे -

- ① सामाजिक साम्राज्यवाद → बाह्य मोर्चे की ओर जनता का ध्यान उलझाना।
- ② राष्ट्रीय गौरव की आकांक्षा।
- ③ यद्यपि इसके लिए कुछ आर्थिक कारक भी जिम्मेदार रहे। इसमें औद्योगीकरण तथा आर्थिक समृद्धि आवश्यकता महत्वपूर्ण रही।

19वीं सदी के संदर्भ को शामिल करें

जर्मनी, इटली

बिंदु प्रभावी है

लेकिन उदा. शामिल करें

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आर्थिक घटना भी थी — बाजार, कच्चामाल, बहुमूल्य धातुओं की प्राप्ति — अफ्रीका में उपनिवेश

अपकषारणात्मक समझ को प्रभावी बनाये

2

drishti | दृष्टि The Vision

(e) दो विश्व युद्धों के लिये जर्मनी को किस हद तक ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है?

To what extent can Germany be held responsible for causing the two World Wars? Discuss critically.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जहाँ वर्साय की संधि (231) में जर्मनी को प्रथम विश्व युद्ध के लिए ज़िम्मेदार बताया गया वहीं द्वितीय विश्व युद्ध के लिए भी विद्वानों जर्मनी को ज़िम्मेदार माना।

प्रभावी बनायें

कुछ तथ्य — प्रश्न के अनुसार हेडिंग लिखें

① यद्यपि काफी हद तक जर्मनी ज़िम्मेदार किंतु पूर्णतः नहीं। — तर्क दें

⑪ ऐसा मुख्यतः जर्मनी पर ज़िम्मेदारी डालना मित्र राष्ट्र अपनी जवाबदेही से बचने के लिए करते हैं।

प्रभावी बनायें

→ जहाँ जर्मनी ने बहुत कुछ कि विश्व युद्धों को जन्म दिया वहीं फ्रांस ब्रिटेन जैसे देशों ने शक्ति संतुलन के लिए अपनी प्रतिबद्धता दर्शाना से अपरिहार्य बना दिया।

प्रथम विश्वयुद्ध
↓
) गुट का निर्माण
) फ्रांस को अपमानित करना
) पूर्वी समस्या का (नाई) हल + विफलता

द्वितीय विश्वयुद्ध
) पेरिस शांति का उल्लंघन संधि

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ पुन: कूटनीतिक प्रक्रिया के अवरुद्ध होने के कारण दोनों ही विश्वयुद्ध अपरिहार्य हो गए।

→ फिर द्वितीय विश्व युद्ध के लिए जिम्मेदार फांसीवाद और नाजीवाद पेरिस की संधि की विफलता का परिणाम था।

अत: केवल जर्मनी को दोषी ठहराना सही नहीं होगा।

दूसरा पक्ष

लेकिन पूर्णरूप से जिम्मेदार नहीं

मित्र राष्ट्र तुष्टीकरण राजनीति

विषय को प्रभावी बनायें

अवधारणात्मक समझ को प्रभावी बनायें

3

drishti | दृष्टि The Vision

6. (a) प्रबोधन क्या है? प्रबोधन के आवश्यक आदर्शों और सिद्धांतों की चर्चा कीजिये। 20

What is Enlightenment? Discuss the essential ideals and principles of enlightenment. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रबोधन का आशय लम्बे काल के अंधकार के बाद प्रकाश के आगमन से है यह अंधकार था अज्ञानता का, अंधविश्वास का और प्रतिक्रियावादिता का।

पुनर्जागरण तथा धार्मिक सुधार आंदोलनों (प्रोटेस्टेंट आंदोलन) के बाद 17वीं - 18वीं सदी में प्रबोधन के युग की शुरुआत हुई। जिसका बल निम्नलिखित तत्वों पर था

राजनीतिक → व्यक्तिवाद — शक्ति पृथक्करण → मुक्त दर्शन → समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व

- निरंकुश राजतंत्र के स्थान पर प्रतिनिधायत्मक शासन पर बल।
- गणतंत्र तथा सीमित प्रजातंत्र की पैरोकारी

प्रभावी, क्याते + संक्षिप्त

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

② आर्थिक

- वाणिज्यवाद के स्थान पर पूंजीवाद पर बल।
- मुक्त अर्थव्यवस्था की नीति को प्रोत्साहन।

वाल्टेयर के कथन लिखें
कांट - अनुभववाद

③ सामाजिक क्षेत्र

- उदारवाद, मानववाद, व्यक्तिवाद तर्कवाद आदि पर बल।

राजनीतिक क्षेत्र

Dev
) प्रकृति की ओर लौटो
) देववाद

④ अध्ययन का क्षेत्र

- चिंतन मनन के स्थान पर अवलोकन तथा प्रत्यक्षीकरण को ~~बीवि~~ ज्ञान का मुख्य साधन मानना।

प्रबोधन के आवश्यक आदर्श व सिद्धांत:-

① ज्ञान का मुख्य साधन तर्क है अतः तर्क से परिचालित व्यक्ति का भविष्य उज्ज्वल होगा

के आदर्श तत्व जो ऊपर लिखे गये हैं बढ़ाई

drishti | दृष्टि The Vision

4(ii) वैज्ञानिक पद्धति मुख्यतः तर्क से प्रेरित होती है अतः तर्क और विज्ञान ही मनुष्य के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं का समाधान कर सकता है।

(iii) विज्ञान के द्वारा भौतिक जगत के सभी रहस्यों का उद्घाटन किया जा सकता है अतः वैज्ञानिक विकास पर बल दिया जाना चाहिए।

(iv) प्रबुद्ध विचारकों के अनुसार भले ही सृष्टि को ईश्वर ने बनाया है किंतु सृष्टि के संचालन में उसकी कोई भूमिका नहीं है। क्योंकि सृष्टि का संचालन कुछ स्वचालित नियमों से होता है ठीक इसी तरह से सभी मानव निर्मित संस्थाओं के संचालन में कोई अनाधिकृत हस्तक्षेप नहीं होनी चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विषय के अनुरूप लिखें तथा आदर्श व सिद्धांत की अवधारणा को समझकर लिखें

drishti | दृष्टि The Vision

(v) प्रबोधन का विचार अपने दृष्टिकोण में आशावादी था उसके अनुसार तर्क और विज्ञान मानव सभ्यता को पूर्णता प्रदान करेगा और इसके सहारे हम अंतिम सत्य तक पहुँच सकेंगे।

(vi) वाल्टेयर, माटेस्क्यू, लॉक, कांट आदि प्रमुख प्रबुद्ध विचारक हैं।

हालांकि अपने आशावादी विचारों के बावजूद 20 वीं सदी में हुए विध्वंसक वैज्ञानिक अनुप्रयोग तथा अनेक प्रभाव और उत्तर आधुनिकतावाद ने इसकी सीमाएँ स्पष्ट कर दी हैं।

प्रभावी लगा
अवधारणा को समझाकर प्रभावी बनाये
7

drishti
दृष्टि The Vision

(b) औद्योगिक क्रांति किसी भी अन्य देश में होने से पूर्व ब्रिटेन में ही क्यों शुरू हुई? 15

Why did Industrial revolution commence in Britain before any other country? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

औद्योगिक क्रांति का आशय 1760 से 1820 की अवधि में ब्रिटेन में हुए हुए सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों से है जिसने उत्पादन तथा वितरण की प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन को प्रेरित किया।

अनोल्ड टायनबी के कथन को लिखें

ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति के शुरुआत के कारण:-

कारण

1. आंतरिक बाजार का विकास
2. विदेश बाजार का विस्तार
3. सामाजिक रूपांतरण
4. राजनीतिक समर्थन
5. वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी विकास

good

drishti | दृष्टि The Vision

① आंतरिक बाजार का विस्तार

→ ⓘ कृषि सुधार → धनाढ्य वर्ग का उद्भव।

→ ⓘⓘ कच्चे माल की उपलब्धता।

→ ⓘⓘⓘ अनाज की उपलब्धता के कारण जनसंख्या में वृद्धि।

→ ⓘⓥ मुद्रा व बैंकिंग प्रणाली में विकास के कारण क्रय शक्ति में वृद्धि।

ⓥ परिवहन के साधनों का विकास (सड़क, नहर व रेल)।

ⓥⓘ इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड का एकीकरण।

good

② विदेशी बाजार का विस्तार

→ ⓘ इंग्लैंड की विशिष्ट भौगोलिक अवस्थिति के कारण इसका अटलांटिक तथा भू-मध्यसागरीय तट दोनों ओर से खुलना फलतः एशिया और अमेरिका तक आसान पहुंच।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(ii) विदेशी व्यापार से संचित धन का उद्योगों में आसान निवेश।

(iii) आर्थिक नीति के ही विदेश नीति अधीन

③ सामाजिक रूपांतरण

① मध्यवर्ग का उद्भव।

(ii) सामंतवाद का अंत।

④ प्रौद्योगिकी - वैज्ञानिक विकास।

→ बुनाई तथा कताई के क्षेत्र में 'Spinning Zeaing, fly settle और procoform का विकास

→ डर्बी परिवार के द्वारा बेहतर किस्म के लौह के क्षण का निर्माण।

④ राजनीतिक समर्थन

संसद के द्वारा व्यापारियों के हितों की सुरक्षा।

गौरतलब है कि जिस समय फ्रांस, इटली, भारत, चीन जैसे देश क्रांति व उपनिवेशवाद के संकट से गुजर रहे थे उस समय उपरोक्त कारणों ने इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति को जन्म दिया।

good

Add प्राकृतिक कारण

लौह कोयला

रणनीतिक अवस्थिति

good

अवधारणात्मक समझ ठीक है

8

drishti | दृष्टि The Vision

(c) द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभाव और परिणाम का विश्लेषण कीजिये। 15

Analyse the impact and outcome of World War II. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

द्वितीय विश्वयुद्ध (1939-45) मानव सभ्यता के इतिहास में संभवत सबसे त्रासद घटना रही इसके बावजूद इसने अपने सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव से युद्धोत्तर विश्व व्यवस्था को संचालन किया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के सकारात्मक प्रभाव :-

(1) ब्रिटेन वुड्स प्रणाली

(क) IMF - अंतर्राष्ट्रीय वित्त व्यवस्था संचालन।

(ख) विश्व बैंक :- देशो के विकास को प्रोत्साहन।

(2) अंतर्राष्ट्रीय शांति व सहयोग को प्रोत्साहन हेतु UNO का गठन।

(3) परमाणु अस्त्रो के घातक प्रभाव के कारण नाभकीय हथियारों के विरुद्ध बौद्धिक वातावरण

प्रभावी है

add विउपनिवेशीकरण, वैज्ञानिक विकास, सांस्कृतिक विकास (लिखा करो)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iv) WHO, UNICEF, UNESCO जैसे मानवीय संस्थाओं की स्थापना।

नकारात्मक प्रभाव

→ प्रथम तथा द्वितीय देशों के बीच शीत युद्ध की शुरुआत।

→ तीसरी दुनिया के देशों ~~की~~ ~~सभ~~ में नव उपनिवेशवाद की शुरुआत।

→ उपरोक्त प्रभाव के अतिरिक्त वि-उपनिवेशवाद, गुटनिरपेक्ष आंदोलन, मानव अधिकारों की सुरक्षा जैसे सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिले।

विस्तार करें

→ शीतयुद्ध — स्टारवार

→ गुटीय राजनीति

→ परमाणु के संतुलन

अवधारणात्मक समझ को प्रभावी बनायें

5

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

7. (a) उन कारकों का परीक्षण कीजिये जिनके कारण महाद्वीपीय व्यवस्था की स्थापना हुई। इस आर्थिक नाकेबंदी ने नेपोलियन युग के दौरान यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं और संबंधों को कैसे प्रभावित किया? 20

Examine the factors that led to the establishment of the Continental System. How did this economic blockade impact European economies and relations during the Napoleonic era? 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) संयुक्त राज्य अमेरिका की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक दिशा को आकार देने में अमेरिकी गृहयुद्ध (1861–1865) के महत्त्व की विवेचना कीजिये। 15

"Discuss the significance of the American Civil War (1861-1865) in shaping the political, social, and economic trajectory of the United States. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(c) सोवियत संघ के विघटन में ग्लासनोस्त और पेरेस्त्रोइका की भूमिका पर चर्चा कीजिये। 15

Discuss the role of Glasnost and Perestroika in the disintegration of the Soviet Union. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

8. (a) नाजी जर्मनी के प्रति तुष्टीकरण की नीति को आकार देने में ऐतिहासिक प्रतिवादों, आर्थिक बाधाओं और राजनीतिक विचारधाराओं की भूमिका पर चर्चा कीजिये। 20

Discuss the role of historical grievances, economic constraints, and political ideologies in shaping the appeasement policy towards Nazi Germany. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) फ्राँस में नेपोलियन बोनापार्ट के घरेलू सुधारों की विवेचना कीजिये। इन सुधारों के कारण होने वाले नकारात्मक प्रभावों का भी उल्लेख कीजिये। 15

Discuss Napoleon Bonaparte's domestic reforms in France. Also mention the negative implication caused by these reforms. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) बिस्मार्क की विदेश नीति की आवश्यक विशेषताओं पर चर्चा कीजिये। 15

Discuss the essential features of the Bismack foreign policy. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

drishti | दृष्टि The Vision

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

drishti | दृष्टि The Vision

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)